भारत सरकार
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
वाणिज्य विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2980

दिनांक 20 दिसंबर, 2023 को उत्तर दिए जाने के लिए

महाराष्ट्र से निर्यात

2980. श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह
उर्फ पवन राजेनिंबालकर
श्री संजय जाधव:

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा महाराष्ट्र सहित देश में निर्यात और व्यापार को बढ़ाने के लिए अब तक राज्य वार क्या पहल की गई है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान देश, विशेषकर महाराष्ट्र में उक्त प्रयोजनार्थ अब तक स्वीकृत, आबंटित और उपयोग की गई निधियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) सरकार द्वारा विगत पांच वर्षों के दौरान और आज की तिथि तक इस संबंध में निर्धारित लक्ष्य और हासिल की गई उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या उक्त पहलों के बाद महाराष्ट्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या सरकार ने देश, विशेषकर महाराष्ट्र में उक्त पहलों को आगे बढ़ाने की दिशा में अगले कदम के रूप में किसी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) महाराष्ट्र राज्य सहित देश में निर्यात वृद्धि के लिए सरकार द्वारा की गई प्रमुख पहलें निम्नानुसार हैं

(i) वाणिज्य विभाग, भारत सरकार निर्यात की वृद्धि के लिए उपयुक्त अवसंरचना के सृजन में केन्द्र और राज्य सरकार की एजेंसियों की सहायता देने के उद्देश्य से वित्त वर्ष 2017-18 से केन्द्रीय क्षेत्र की एक योजना 'ट्रेड इंफ्रास्ट्रक्चर फॉर एक्सपोर्ट स्कीम (टीआईईएस)' नामक एक योजना कार्यान्वित कर रहा है। इस स्कीम के अंतर्गत निर्यात अवसंरचना की स्थापना अथवा उन्नयन के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के स्वामित्व वाली एजेंसियों को सहायता अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

(ii) कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के पास निर्यात संबंधी अवसंरचना को बढ़ाने, क्रेता विक्रेता बैठकों में भाग लेने आदि के लिए अखिल भारतीय आधार पर निर्यातकों को सहायता प्रदान करके कृषि उत्पादों के निर्यात को सुकर बनाने के लिए वित्तीय सहायता के लिए केन्द्रीय क्षेत्र विशिष्ट स्कीम है।

(iii) समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) महाराष्ट्र सहित अखिल भारतीय आधार पर मूल्य वर्धन के लिए अवसंरचना सुविधा का उन्नयन, मिनी प्रयोगशाला की स्थापना और जलकृषि उत्पादन में सहायता करके समुद्री खाद्य निर्यात को बढ़ावा देने के लिए सहायता स्कीमें संचालित करता है।

(iv) बागान बोर्ड (चाय बोर्ड, कॉफी बोर्ड, रबड़ बोर्ड और मसाला बोर्ड) निर्यात संवर्धन के लिए विभिन्न कार्यकलाप कर रहे हैं जिनमें अन्य बातों के साथ-साथ मूल्यवर्धित उत्पादों के निर्यात के लिए सहायता प्रदान करना, व्यापार मेलों, प्रदर्शनियों में भागीदारी, ब्रांड संवर्धन, क्रेता-विक्रेता बैठकें और महाराष्ट्र सहित देश भर में बाजार संपर्क शामिल हैं।

(ख) से (घ): टीआईईएस योजना महाराष्ट्र सहित अखिल भारतीय आधार पर कार्यान्वित की गई है। टीआईईएस के अंतर्गत एक अनुमोदित परियोजना के लिए 8.1 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है और अब तक 3.04 करोड़ रुपए की राशि जारी की जा चुकी है।

चूंकि एपीडा, एमपीईडीए और बागान बोर्डों द्वारा कार्यान्वित स्कीमें अखिल भारतीय हैं, इसलिए कोई राज्य विशिष्ट लक्ष्य निर्धारित नहीं किए गए हैं। तथापि, महाराष्ट्र से संबंधित कुछ विशिष्ट कार्यकलाप/उपलब्धियां अनुबंध में दी गई हैं।

उपर्युक्त पहलों ने महाराष्ट्र से निर्यात को बढ़ाने में योगदान दिया है। पिछले पांच वर्षों और चालू वित्त वर्ष के दौरान सितंबर, 2023 तक महाराष्ट्र से कुल निर्यात निम्नानुसार है:

वित्तीय वर्ष	निर्यात मूल्य (मिलियन अमरीकी डालर में)
2018-19	72809.28
2019-20	64906.08
2020-21	58383.19
2021-22	73119.50
2022-23	72437.52
2023-24 (अप्रैल से सितंबर)	33056.88

स्रोत: डीजीसीआईएस

(ङ.) : वाणिज्य विभाग के तहत एक सांविधिक निकाय एपीडा ने राज्य से निर्यात संवर्धन के लिए जागरूकता और संवेदीकरण कार्यक्रम बनाने के लिए एग्रोविजन फाउंडेशन, नागपुर के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। एपीडा ने राज्य से कृषि निर्यात बढ़ाने के लिए आईसीएआर-केंद्रीय साइट्रस रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईसीएआर-सीसीआरआई), नागपुर के साथ समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

अनुबंध

दिनांक 20 दिसंबर, 2023 को उत्तर के लिए नियत लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं.2980 के भाग (ख) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

क्र.सं	संगठन का नाम	उपलब्धियां
1.	एपीडा	**नए उत्पादों का निर्यात संवर्धन और नए गंतव्यों में निर्यात संवर्धन:** • नए उत्पादों और नए निर्यात गंतव्यों की पहचान की गई है और तदनुसार परीक्षण लदान की सुविधा प्रदान की गई है। • जापान के लिए भारतीय आमों के सीजन की पहली शिपमेंट को दिनांक 6 अप्रैल, 2023 को एमएसएएमबी-वीएचटी सुविधा, वाशी (नवी मुंबई) से हरी झंडी दिखाई गई है। • संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए भारतीय आमों की पहली खेप को एमएसएएमबी इररेडिएशन सुविधा केंद्र, वाशी महाराष्ट्र में दिनांक 11.04.2023 को हरी झंडी दिखाई गई है। • दिनांक 22 अप्रैल 2023 को, सीजन 2023 के लिए केसर आम की पहली नमूना वाणिज्यिक खेप (117 किलोग्राम के 39 बक्से) को दक्षिण कोरिया को निर्यात के लिए निर्यातक द्वारा वीएचटी सुविधा मुंबई में संसाधित किया गया था। • दिनांक 27 जुलाई 2023 को, संयुक्त राज्य अमेरिका को अनार के निर्यात पर अस्थायी प्रतिबंध हटाने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए अनार के "फ्लैग ऑफ प्रोग्राम-ट्रायल शिपमेंट" का आयोजन किया गया। • नीदरलैंड के लिए केले के परीक्षण शिपमेंट के एक कंटेनर एपीडा ने 26 मार्च, 2022 को मुंबई से जापान को ताजा आमों के निर्यात की सीजन की पहली खेप की सुविधा प्रदान की। • समुद्र द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए आमों का परीक्षण शिपमेंट:- बीएआरसी और एमएसएएमबी के साथ एपीडा ने दिनांक 04 जून 2022 को समुद्र द्वारा संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए 15.5 मीट्रिक टन केसर आमों के परीक्षण शिपमेंट की सुविधा प्रदान की। **अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बाजार पहुंच और निर्यात संवर्धन आरंभ करना :** • इंडोनेशिया को प्याज के निर्यात के लिए अच्छी कृषि प्रथाओं

		(जीएपी) और अच्छी हैंडलिंग प्रथाओं (जीएचपी) के कार्यान्वयन के लिए प्याज के खेतों और पैकिंग हाउस उत्पादन प्रणाली का फील्ड मूल्यांकन और समीक्षा करने के लिए 15 दिसंबर से 20 दिसंबर, 2022 तक महाराष्ट्र में इंडोनेशियाई प्रतिनिधिमंडल की यात्रा का आयोजन किया और सुविधा प्रदान की गई। • दिनांक 1 मई, 2023 को मुंबई में संयुक्त राज्य अमेरिका के महावाणिज्य दूतावास और यूएसडीए-एपीएचआईएस प्री-क्लीयरेंस एंड ऑफशोर प्रोग्राम दल ने आमों के निर्यात के लिए ओडब्ल्यूपी प्रचालन कार्यक्रम की प्रभावशीलता को सत्यापित करने और सुनिश्चित करने के लिए आईएफसी एमएसएएमबी, वाशीनवी मुंबई में विकिरण सुविधा का दौरा किया। एपीडा ने यात्रा की सुविधा प्रदान की। • एपीडा ने मुंबई में जी 20 प्रथम व्यापार और निवेश कार्य समूह (टीआईडब्ल्यूजी) की बैठक के लिए दिनांक 28-30 मार्च 2023 तक तीन दिवसीय कार्यक्रम में अपनी भागीदारी का आयोजन किया। बैठक के दौरान, ओमान सल्तनत, इंडोनेशिया गणराज्य, मॉरीशस गणराज्य, कनाडा आदि के प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों ने एपीडा स्टाल का दौरा किया और श्रीअन्न यानी मिलेट्स सहित भारतीय कृषि वस्तुओं की आपूर्ति के लिए संभावित आयातकों को जोड़ने हेतु एपीडा के अधिकारियों के साथ सार्थक बातचीत की। **क्रेता विक्रेता बैठकें** • एपीडा मुंबई ने दिनांक 7-9 सितंबर, 2023 तक अनुफूड इंडिया में एपीडा की भागीदारी का आयोजन किया, गोवा में 15-16 अप्रैल, 2023 तक पहला काजू फेस्ट 2023, अनुटेक फूड 2023, "एग्रोविजन-2023", वर्ल्ड ट्रेड एक्सपो -2023 आदि घरेलू कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें रेडी टू ईट मिलेट्स आधारित उत्पादों, केक, बिस्कुट, फ्लेवर्ड गुड़ उत्पादों आदि सहित एपीडा उत्पादों का प्रदर्शन किया गया। • कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ निर्यात संवर्धन योजना: 15 वें वित्त आयोग चक्र (2021-22 से 2025-26) के लिए एपीडा की कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात संवर्धन योजना महाराष्ट्र राज्य सहित देश के निर्यातकों को निर्यात अवसंरचना के विकास, गुणवत्ता विकास और बाजार विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके कृषि उत्पादों के निर्यात की सुविधा प्रदान करती है।

		कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात संवर्धन स्कीम : • 15वें वित्त आयोग चक्र (2021-22 से 2025-26) के लिए एपीडा की कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य निर्यात संवर्धन योजना महाराष्ट्र राज्य सहित देश के निर्यातकों को निर्यात अवसंरचना के विकास, गुणवत्ता विकास और बाजार विकास के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके कृषि उत्पादों के निर्यात की सुविधा प्रदान करती है।
2.	एम्पीडा	• झींगा निर्यातकों को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त देने के लिए, मछली मीन और अन्य फ़ीड सामग्री पर आयात शुल्क 15% से घटाकर 5% कर दिया गया है। यह पहल झींगा की उत्पादन लागत को कम करने के लिए की गई थी जिससे कि अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में हमारे उत्पादों की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हो सके। • महाराष्ट्र से समुद्री खाद्य निर्यात को बढ़ावा देने के लिए, एमपीईडीए ने पनवेल में एक क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित किया है और निर्यात उन्मुख उत्पादन और निर्यात दोनों को बढ़ावा देने का समर्थन करता है। • महाराष्ट्र राज्य के लिए निधियों का अलग से कोई आबंटन नहीं किया गया है। तथापि, एम्पीडा ने विभिन्न गतिविधियों के लिए 2018-19 से 2022-23 की अवधि के लिए महाराष्ट्र को 10.39 करोड़ रुपये की राशि जारी की है।
3.	बागान बोर्ड	महाराष्ट्र में, मुंबई में एक गुणवत्ता मूल्यांकन प्रयोगशाला (क्यूईएल) है जो मसालों के निर्यात को सुविधाजनक बनाने में मदद करती है। मसाला बोर्ड महाराष्ट्र में बीएसएम सहित संवर्धनात्मक कार्यक्रमों का भी आयोजन करता है। विश्व मसाला कांग्रेस, जो मसाला क्षेत्र के लिए एक प्रमुख कार्यक्रम है, सितंबर 2023 में नवी मुंबई, महाराष्ट्र में आयोजित किया गया था।

****